विनती

विनती सुन लो हे भगवान!
हम सब बालक हैं नादान,
दो हमको तुम यह वरदान,
पढ़ लिखकर हम बनें महान।

आम

देखो कितना आम रसीला,
छिलका इसका पीला-पीला,
लगता कितना ताजा है,
आम फलों का राजा है।

दुनिया गोल

दादा जी की पगड़ी गोल,
दादी जी की ऐनक गोल,

पापा जी के पैसे गोल,
मम्मी जी की रोटी गोल,

सूरज गोल, चंदा गोल,
हम भी गोल, तुम भी गोल,
सारी दुनिया गोल मटोल

हाथी आया

हाथी आया झूमकर,
धरती माँ को चूमकर,
टाँगें उसकी मोटी-मोटी,
आँखें उसकी छोटी-छोटी,
पंखे जैसे उसके कान,
देखो बच्चों इसकी शान।

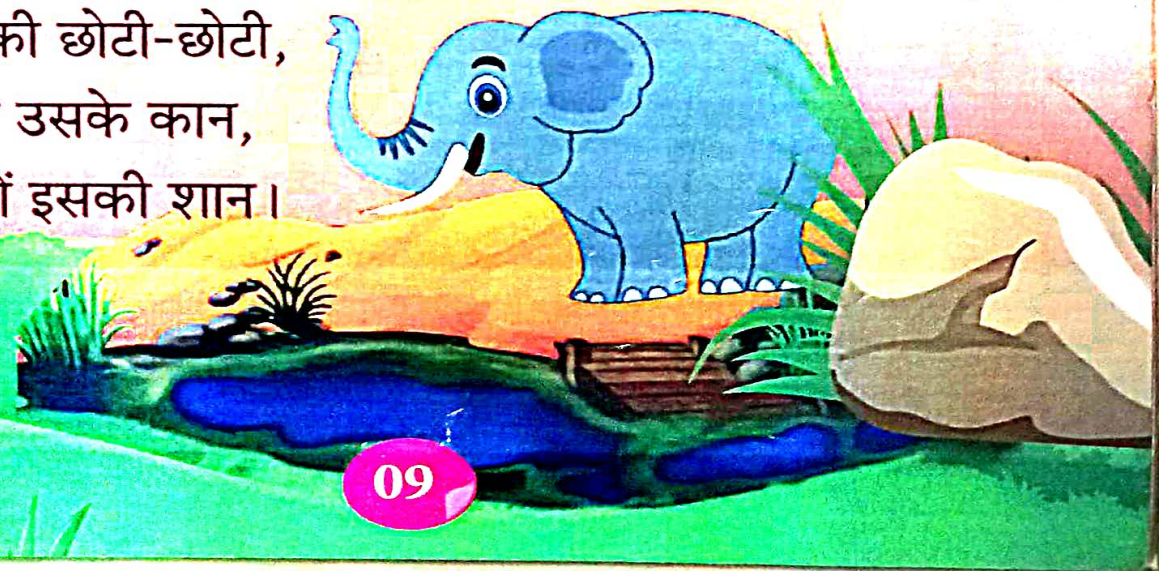

हाथी पर चन्दा

हाथी पर चन्दा
घोड़े पर हम,
हाथी चले झूमकर
घोड़ा छम छम।
गेंद लाए चन्दा
बल्ला लाएँ हम,
पाँव पर जो चोट लगी,
गिर गए हम।

लिटिल बेबी

लिटिल बेबी सो जा,
तू लाल पलंग पर सो जा।
मम्मी डैडी आएँगे,
ढेर खिलौने लाएँगे।
एक खिलौना टूट जाए,
तो लिटिल बेबी रूठ जाए।

मछली जल की रानी

मछली जल की रानी है,
जीवन उसका पानी है,
हाथ लगाओ तो डर जाएगी,
बाहर निकालो तो मर जाएगी।
पानी में डालो तो जी जाएगी,
सारा पानी पी जाएगी।

म्याऊँ म्याऊँ

म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ,
किसको खाऊँ किसको खाऊँ?
एक तरफ है दूध मलाई
एक तरफ है गुड्डा भाई।
एक तरफ से लाला आया
इतना मोटा डंडा लाया।
एक तरफ से कुत्ता आया,
किधर को जाऊँ... किधर को जाऊँ
म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ।

एक दो तीन

एक दो तीन
शेर बजाए बीन,
चार और पाँच
भालू करे नाच।
छह सात आठ
देखो गाँव के ठाठ
नौ और दस,
छोड़ो गिनती बस।

पापा मम्मी

पापा मम्मी कहें, वे बच्चे,
सबसे अच्छे होते हैं।
सुबह को जल्दी उठते हैं
और रात को जल्दी सोते हैं
बड़ों का हर कहना मानें,
आदर भी देना जानें,
समय पर पढ़ते लिखते हैं,
और सच्ची बातें करते हैं।

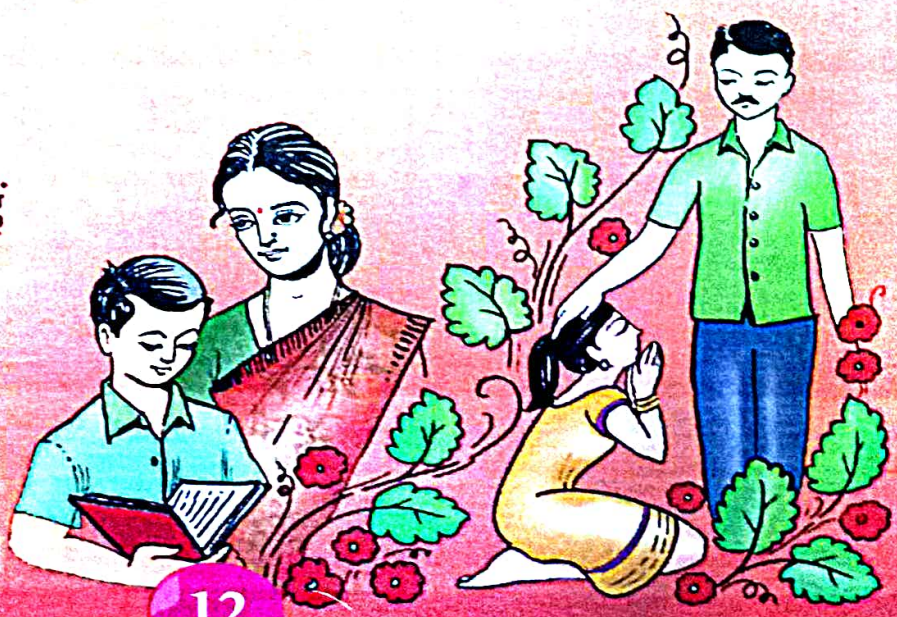

सफ़ेद

दादाजी के बाल सफेद।
पर्वत के हैं बर्फ सफेद
हम सबके हैं दाँत सफेद।
सागर का है झाग सफेद।
मैडम की है चॉक सफेद।

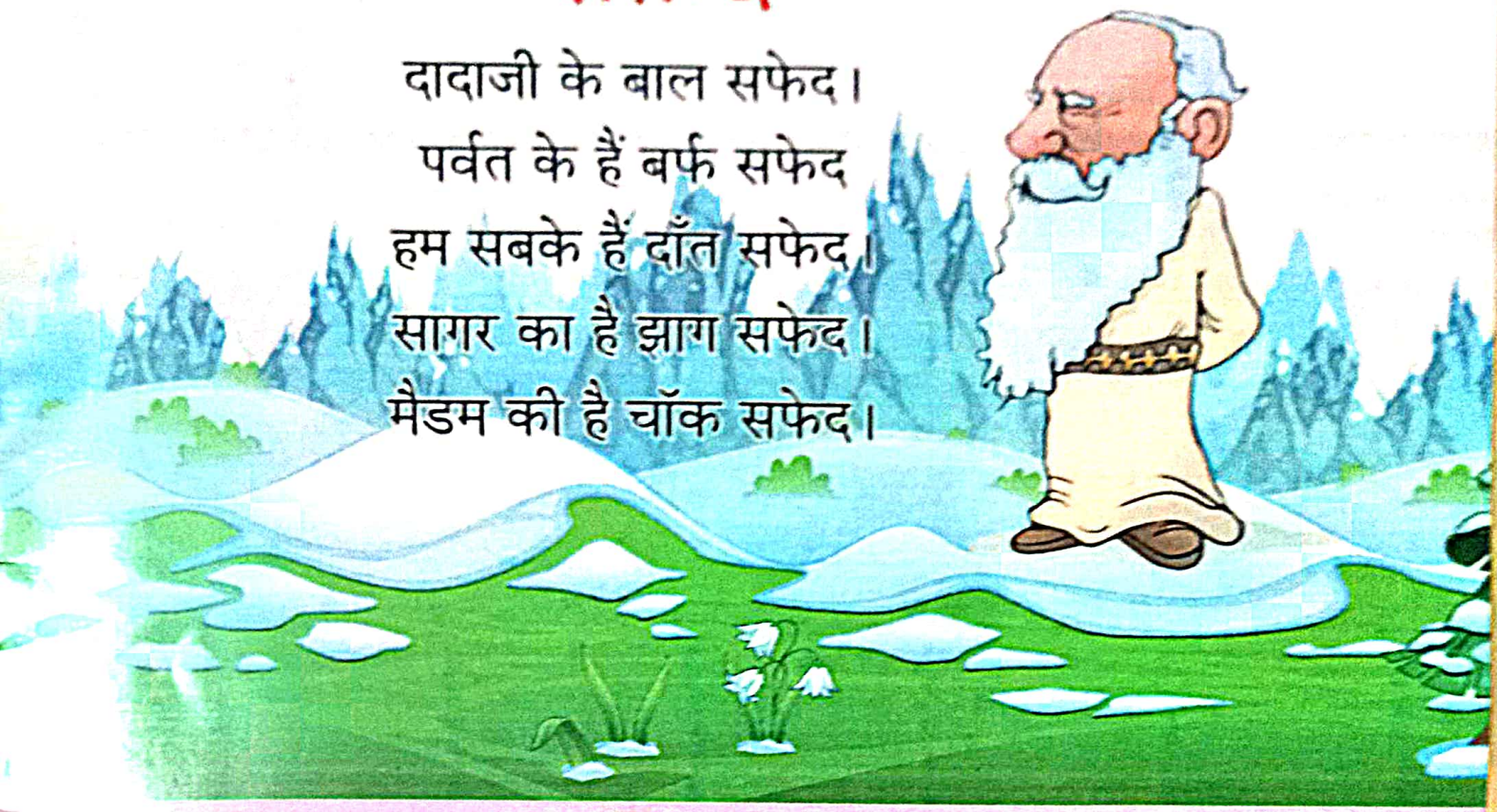

सारे जग से न्यारे हैं।

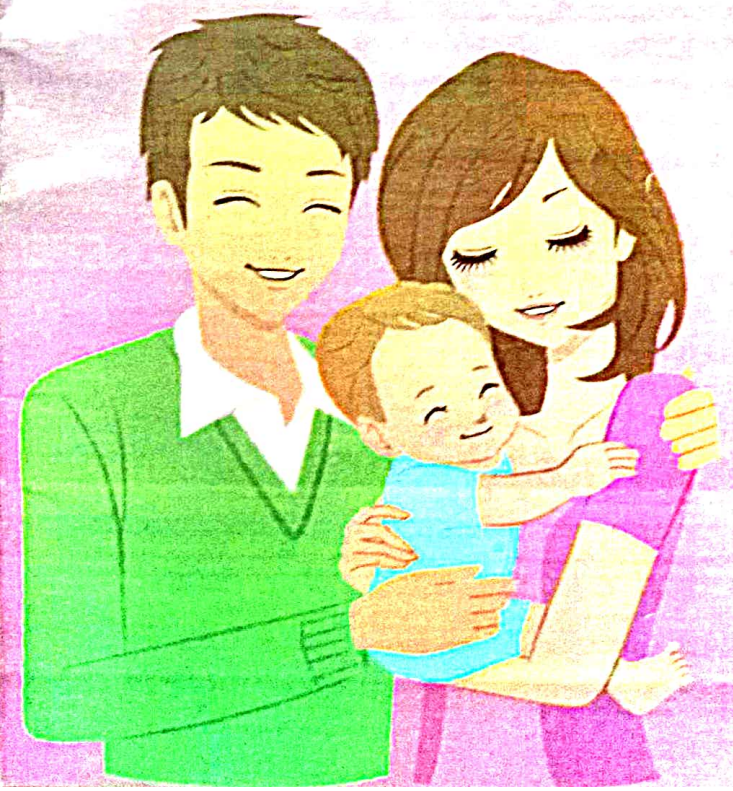

मेरी मम्मी भोली भाली,
पापा मेरे प्यारे हैं।
मम्मी पापा दोनों मेरे,
सारे जग से न्यारे हैं।
मैं हूँ उनका नन्हा मुन्ना,
भोला भाला प्यारा हूँ।
मम्मी पापा दोनों का ही,
आँखों का मैं तारा हूँ।

ଧୋ ରେ ବାୟା ଧୋ

ଧୋ ରେ ବାୟା ଧୋ
ଧୋ ରେ ବାୟା ଧୋ
ଯେଉଁ କିଆରିରେ ଗହଳ ମାଣ୍ଡିଆ
ସେଇ କିଆରିରେ ଶୋ....
ଧୋ ରେ ବାୟା ଧୋ ।

ଇଟିକିଲି ମିଟିକିଲି

ଇଟିକିଲି ମିଟିକିଲି ଫୁଟିଗଲା କାଇଁଚ
ତୁମର ଆମର ନାଲି ପଇଁଚ ।
ନାଲି ପେଁ ପେଁ ବାଜଇ ତୁରା
ଗୋଟିକ ଉପରେ
ଗୋଟିଏ ଜିରା ।

ଟୁପୁରୁ ଟୁପୁରୁ ମେଘ ବରଷିଲା

ଟୁପୁରୁ ଟୁପୁରୁ
ମେଘ ବରଷିଲା
କେଶର ମାଇଲା ଗଜା
କେଉଁ ରାଇଜେ
ରହିଲେ ମୋ ରାଜା
ତେଲିଙ୍ଗି ବାଇଦ ବଜା ।

ଲାରେ ଲାପା ଲାରେ ଲାପା

ଲାରେ ଲାପା ଲାରେ ଲାପା
ଡାକେ କୋଇଲି
କୋଇଲିର ଡାକ ଶୁଣି ବୁଲି ପଡିଲି
ପତର ଗହଳେ କୋଇଲି ବସି
ଥଣ୍ଟରେ ଧରିଛି ଆମ୍ବର କଷି ।
(ମୋତେ ଠାରି ଦେଲା
..... ଆମ୍ବ ଟିଏ ଦେଲା ।(୨)
କହିଲାରେ କୁନା
ପାଠ ପଢ଼ିବାକୁ ଯିବୁନି ଭୁଲି ।)

ଚକା ଚକା ଭଉଁରୀ

ଚକା ଚକା ଭଉଁରୀ
ମାମୁଁ ଘର ଚଉଁରୀ
ମାମୁଁ ମୋତେ ମାଇଲେ
ମାଇଁ ମୋତେ ଧଇଲେ
ଗେଲ କରି ପୁଣି ମୋତେ
ଦୁଧ ଭାତ ଖୋଇଲେ ।

ରଜ ଦୋଳି

ରଜ ଦୋଳି କଟମଟ
ମୋ ଭାଇ ମୁଣ୍ଡରେ ସୁନାମୁକୁଟ
ସୁନା ମୁକୁଟରେ,
ଦିଶୁଥାଏ ଚକମକ ।